सं ई 11021/1/2020-हिन्दी /407-507

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

(हिन्दी अनुभाग)

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर, 2020

परिपत्र

विषय-: हिन्दी पखवाड़ा, 2020 के अवसर पर माननीय जल शक्ति मंत्री और माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री की ओर से जारी संदेश ।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020 तक आयोजित किए जाने वाले **हिन्दी पखवाड़े** के अवसर पर **माननीय जल शक्ति मंत्री और माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री** की ओर से जारी संदेश जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए इस परिपत्र के साथ संलग्न है ।

2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी संगठनों के अध्यक्षों/प्रमुखों से अनुरोध है कि वे इन संदेशों व अपील के महत्व को ध्यान में रखते हुए इनमें निहित तथ्यों एवं भावनाओं को अपने संगठन में कार्यरत समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाएं । उनसे यह भी अनुरोध है कि अपने कार्यालयों से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में भी उपर्युक्त संदेशों और अपील प्रकाशित की जाए ।

(अनिल कुमार) 14/9/2020

सहायक निदेशक (रा.भा.)

दूरभाष : 23719033

संलग्नक- यथोपरि

सेवा में-

1. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी अधिकारी/सभी अनुभाग/डेस्क एकक
2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के समस्त संगठनों के अध्यक्ष/प्रमुख ।

प्रति सूचनार्थ

1. जल शक्ति मंत्री जी के निजी सचिव ।
2. जल शक्ति राज्य मंत्री जी के निजी सचिव ।
3. सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
4. अपर सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
5. संयुक्त सचिव (प्रशा.)/संयुक्त सचिव (जीडब्ल्यू एवं आईसी)/संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार/ आर्थिक सलाहकार एवं राजभाषा प्रभारी के निजी सचिव ।

गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat

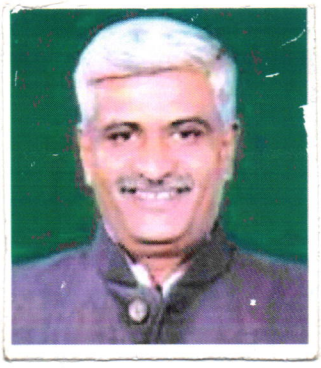

सत्यमेव जयते

जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister for Jal Shakti
Government of India

11 SEP 2020

संदेश

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर मैं आप सभी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

हमें भारतीय संविधान द्वारा हिन्दी को बढ़ावा देने और उसके प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हमारा देश विविध बोलियों एवं भाषाओं की संगम स्थली है। भाषा न केवल संस्कृति का अभिन्न अंग है, बल्कि कुंजी भी है। देश में सांस्कृतिक समन्वय के जो प्रयास हो रहे हैं उसमें हिन्दी भाषा का विशेष योगदान है। हिन्दी अपनी आंतरिक ऊर्जा, अपनी सरलता, सहजता, बोध गम्यता और समन्वय की भावना से निरन्तर आगे बढ़ते हुए पूरे देश में संपर्क सूत्र बन गई है।

इस बदलते युग में, सरकारी कार्यालयों के काम करने की प्रक्रिया व ढंग बदल रहा है। आज अधिकांश कार्य कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा हो रहे हैं। अत: कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न कम्प्यूटर सिस्टमों और सॉफ्टवेयरों में हिन्दी में कार्य करने की पूर्ण सुविधा हो, नहीं तो बढ़ते हुए कम्प्यूटरीकरण में हिन्दी की प्रगति में रूकावट पहुंचेगी।

राजभाषा के रूप में हिन्दी स्वीकारने का मुख्य उद्देश्य है कि जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो, उसमें कठिन भाषा शैली के लिए कोई स्थान नहीं होता। सरकारी कामकाज में हिन्दी की प्रगति एवं प्रचार-प्रसार के लिए आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। कार्यालय की भाषा में कठिन शब्दों का प्रयोग करके उसे बोझिल न बनाएं।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग में उत्साह के साथ "हिन्दी पखवाड़ा" समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हम अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण भावना का परिचय देंगे।

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को पुन: मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

Office : 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel: No. (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-mowr@nic.in